

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY,

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 376]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जुलाई 23, 1987/श्रावण 1, 1909

No. 376]

NEW DELHI, THURSDAY, JULY 23, 1987/SRAVANA 1, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation.

दायरी और नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(नागरिक पूर्ति विभाग)

नई दिल्ली, 23 जुलाई, 1987

अधिकृतनामः

का. आ. 730(ग्र) — केंद्रीय मंत्रालय, अधिकृत संविदा (विनियोग संघिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन अहमदाबाद कॉर्टन मर्चेन्ट्स एसोसिएशन, अहमदाबाद द्वारा मान्यता के नवीकरण के लिए किए गए आवेदन पर वायदा बाजार आवंग, बम्बई के परगना में विचार करके और यह ममाधान ही जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में भी होगा, एनदब्ल्यूएच उक्त अधिनियम के धारा 6 द्वारा प्रदत्त शर्कराओं का प्रयोग करने हए उक्त एसोसिएशन की कर्पोरेशन में अधिकृत संविदा के बारे में 31 जुलाई, 1987 से 30 जुलाई, 1989 (जिसमें दोनों दिन शामिल हैं) की 2 वर्ष की और अवधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एनदब्ल्यूएच मान्यता इस शर्त के अध्यादेश है कि उक्त एसोसिएशन ऐसे निर्देशों का अनुपालन करेंगे, जो वायदा बाजार आवंग द्वारा मन्त्रालय पर दिये जाएं।

[मिसिन 11, 12/1/पाई. डी./87]

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies)

New Delhi, the 23rd July, 1987

NOTIFICATIONS

S.O. 730(E).—The Central Government, having considered, in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Ahmedabad Cotton Merchants' Association, Ahmedabad, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Association for a further period of two years from the 31st July, 1987 to the 30th July, 1989 (both days inclusive) in respect of forward contracts in cotton.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply

with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[File No. 12/1/IT/87]

का. घा. 731(प्र) :—**सेंट्रल गवर्नर, अधिकारी मंत्रिमणि (विविधभन)** अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन सेंट्रल गवर्नर को इस एमेंसिएशन बोर्ड द्वारा मान्यता के लिये किए गए आवेदन पर वायदा बाजार आयोग बन्दर्व के परामर्श में विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना आवाय के द्वितीय में और लोकतान में भी इस एन्ड्रडार्ड उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त एमिसियन का व्यापार करने हुए उक्त एमेंसिएशन का काम में प्रतिम संविदा के बारे में 31 जूलाई, 1987 से 30 जूलाई, 1989 (जिसमें से दोनों दिन शामिल है) की 2 वर्ष की और अधिक के लिए मान्यता प्रदान करनी है।

2. एन्ड्रडार्ड भान्यता इस ग्रन्ति के अध्यार्थित है कि उक्त एमेंसिएशन में निर्देशों का अनुचित करने, जो वायदा बायार आयोग द्वारा सम्बन्धित था, नाहीं।

[मिमिन म. 12/1/शाई नं. /87]

S.O. 731(L).—The Central Government, having considered, in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by the Central Gujarat Cotton Dealers' Association, Vadodara and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Association for a further period of two years from the 31st July, 1987 to the 30th July, 1989 (both days inclusive) in respect of forward contracts in cotton.

The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[File No. 12/1/IT/87]

का. घा. 732(प्र) :—**सेंट्रल गवर्नर, अधिकारी मंत्रिमणि (विविधभन)** अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के प्रधान यादेन सेंट्रल गवर्नर को इस एमेंसिएशन द्वारा द्वारा भान्यता के लिये किए गए आवेदन पर वायदा बाजार आयोग के परामर्श में विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना आवाय के द्वितीय में और लोकतान में भी इस, एन्ड्रडार्ड उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त एमिसियन का प्रयोग करने हुए उक्त एमेंसिएशन का काम में अधिम संविदा के बारे में 31 जूलाई, 1987 से 30 जूलाई, 1989 (जिसमें से दोनों दिन शामिल है) की 2 वर्ष की और अधिक के लिए मान्यता प्रदान करनी है।

2. एन्ड्रडार्ड भान्यता इस ग्रन्ति के अध्यार्थित है कि उक्त एमेंसिएशन में निर्देशों का प्रत्याख्यन करना, जो वायदा बाजार आयोग द्वारा सम्बन्धित था, नाहीं।

[मिमिन म. 12/1/शाई, नं. /87]

S.O. 732(E).—The Central Government, having considered, in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward

Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Southern Gujarat Cotton Dealers' Association, Surat, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Association for a further period of two years from the 31st July, 1987 to 30th July, 1989 (both days inclusive) in respect of forward contracts in cotton.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[File No. 12/1/IT/87]

का. घा. 733(प्र) :—**सेंट्रल गवर्नर, अधिकारी मंत्रिमणि (विविधभन)** अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के प्रधान यादेन इण्डिया कोंट्रोल एमेंसिएशन द्वारा भान्यता के लिये किए गए आवेदन पर वायदा बाजार आयोग के परामर्श में विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना आवाय के द्वितीय में और लोकतान में भी इस, एन्ड्रडार्ड उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त एमिसियन का प्रयोग करने हुए उक्त एमेंसिएशन का काम में अधिम संविदा के बारे में 31 जूलाई, 1987 से 30 जूलाई, 1989 (जिसमें से दोनों दिन शामिल है) की 2 वर्ष की और अधिक के लिए मान्यता प्रदान करनी है।

2. एन्ड्रडार्ड भान्यता इस ग्रन्ति के अध्यार्थित है कि उक्त एमेंसिएशन में निर्देशों का प्रत्याख्यन करना, जो वायदा बाजार आयोग द्वारा सम्बन्धित था, नाहीं।

[मिमिन म. 12/1/शाई, नं. /87]

S.O. 733(E).—The Central Government, having considered, in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by the Northern India Cotton Association Lt., Bhatinda and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Association for a further period of two years from the 31st July, 1987 to 30th July, 1989 (both days inclusive) in respect of forward contracts in cotton.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such direction as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[File No. 12/1/IT/87]

का. घा. 734(प्र) :—**सेंट्रल गवर्नर, अधिकारी मंत्रिमणि (विविधभन)** अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के प्रधान मेट्रो इण्डिया कोंट्रोल एमेंसिएशन द्वारा भान्यता के लिये किए गए आवेदन पर वायदा बाजार आयोग के परामर्श में विचार करके आवाय के प्रत्याख्यन करने हुए उक्त एमेंसिएशन की धारा 6 द्वारा प्रदत्त एमिसियन का प्रयोग करने हुए उक्त एमेंसिएशन को काम में अधिम संविदा के बारे में 31 जूलाई, 1987 से 30 जूलाई, 1989

(जिसमें ये दोनों दिन शामिल हैं) की 2 वर्ष की और अधिकि के लिए मालवान प्रदान करती है।

2. एतद्वारा मालवान इस शर्त के अधारीत है कि उक्त प्रमोशनालत में निवेशों का अनुबालन करेंगे, जो व्यापार बाजार आपोग द्वारा मालवान पर दिये जाएँ।

[मिलिन सं. 12/1/प्रदि. टा. 1/87]

S.O. 734(E).—The Central Government, having considered, in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Central India Cotton Association Ltd., Ujjain and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of said Act, recognition to the said Association for a further period of two years from the 31st July, 1987 to the 30th July, 1989 (both days inclusive), in respect of forward contracts in cotton.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions, as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[File No. 12/1/IT/87]

का आ 735(अ) :—स्थीर व्यापार अधिक विधि (मिलिन)

प्रवित्रियम् 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के प्रयोग मालवान इंडिया कॉर्प एप्रिलालत, बोरब्लूट द्वारा मालवान के वर्तिकरण के लिए यह अधिकार पर व्यापार बाजार आपोग के प्राप्ति से विचार

करके और यह मालवान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के लिए में श्री लोकेश देव भूमा, एतद्वारा उक्त प्रवित्रियम की धारा 6 द्वारा 10 वर्षालत का प्रयोग करते हुए उक्त प्रमोशन की व्यापार में व्यापक अविकल्प के द्वारा 31 जून 1987 के 30 द्वारा 1989 (जिसमें दोनों दिन शामिल हैं) की 2 वर्ष की और अधिकि के लिए मालवान प्रदान करते हैं।

2. एतद्वारा मालवान इस वर्ष के अधारीत है कि उक्त प्रमोशनालत में निवेशों का अनुबालन करेंगे, जो व्यापार बाजार आपोग द्वारा मालवान पर दिये जाएँ।

[मिलिन सं. 12/1/प्रदि. टा. 1/87]

प. न. कौल, एप्रिल व्यापार

S.O. 735(E).—The Central Government, having considered, in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by the South India Cotton Association, Coimbatore and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of said Act, recognition to the said Association for a further period of two years from the 31st July, 1987 to the 30th July, 1989 (both days inclusive) in respect of forward contracts in cotton.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[File No. 12/1/IT/87]
P. N. KAUL, Economic Adviser

